Q1 :

कविता पढ़कर तुम्हारे मन में चिड़िया का जो चित्र उभरता है उस चित्र को कागज़ पर बनाओ।

Solution :

कविता को पढ़ो और अपनी कल्पना से चित्र बनाओ। जैसे- दाना चुगती, दूध पीती, कटोरे में मुँह डालती चिड़िया आदि।

Q2 :

तुम्हें कविता को कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोगे? उपयुक्त शीर्षक सोच कर लिखो।

Solution :

'प्यारी चिड़िया।'

Q3 :

इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?

Solution :

चिड़िया जिन चीज़ों से प्यार करती है वो इस प्रकार हैं-

(1) चिड़िया को खेतों में लगे जौ-बाजरे की फलियों (अन्न) से प्यार है।

(2) उसे जंगल में मिले एकान्त, जहाँ वह खुली हवा में गाना गा सकती है, से प्यार है।

(3) उसे नदी से प्यार है जिसका ठंडा और मीठा पानी वह पीती है।

यह चीज़ें उसे आज़ादी का एहसास दिलाती हैं। इसलिए वह इन सबसे प्यार करती है।

Q4 :

कवि ने चिड़िया को छोटी, संतोषी, मुँह बोली और गरबीली चिड़िया क्यों कहा है?

Solution :

चिड़िया छोटे आकार की थी और किसी भी बात को बोलने से नहीं झिझकती है इसलिए कवि ने उसे छोटी और मुँह बोली कहा है। वह संतोषी स्वभाव की है। अतः कवि उसे संतोषी कहता है। चिड़िया को अपने कार्यों पर गर्व है क्योंकि वह नदी के बीच से पानी पीने जैसा कठिन कार्य सफलतापूर्वक कर जाती है। यही कारण है कि कवि ने चिड़िया को गरबीली कहा है।

Q5 :

आशय स्पष्ट करो –

(क) रस उँडेल कर गा लेती है

(ख) चढ़ी नदी का दिल टटोलकर

जल का मोती ले जाती है

Solution :

(क) **"रस उँडेल कर गा लेती है"**

इस पंक्ति में चिड़िया बन्धन-मुक्त और खुश होकर इतना सुंदर और मीठा गाती है मानो उसने सारा रस गाने में उँडेल दिया हो।

(ख) **"चढ़ी नदी का दिल टटोलकर**

जल का मोती ले जाती है"

इन पंक्तियों में चिड़िया की कार्य-कुशलता को दर्शाया गया है। वह जल के बीच में स्थित मोती को भी ढूंढ लेती है, अर्थात वह तेज़ बहती नदी से भी पानी पी लेती है।